<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>
7/07/2025

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), चंडीगढ़ जोनल कार्यालय ने 04.07.2025 को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत उत्तर प्रदेश के नोएडा और लखनऊ में स्थित तीन संदिग्ध शेल कंपनियों - किंडेंट बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, रेनेट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड और मूल बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। कंपनियों का संचालन डमी निदेशकों द्वारा किया जा रहा था और वे वॉलेट-आधारित एपीआई, घरेलू धन हस्तांतरण (डीएमटी), आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली (एईपीएस) और बिल भुगतान समाधान की पेशकश करने वाली आईटी फर्म के रूप में प्रस्तुत हो रही थीं। प्रबंधन यह प्रमाणित नहीं कर सका कि उनके द्वारा की जाने वाली गतिविधियाँ आरबीआई द्वारा विनियमित ढांचे के भीतर हैं। तब पाया गया कि ये कंपनियां वास्तव में करोड़ों रुपये के QFX/YFX ऑनलाइन विदेशी मुद्रा और MLM (मल्टी लेवल मार्केटिंग) घोटाले के माध्यम से उत्पन्न अपराध की आय (POC) को सफेद करने के लिए मुखौटा थीं, जिसने पूरे भारत में हजारों निवेशकों को ठगा।

प्रत्येक कार्यालय में 10-30 कर्मचारी कार्यरत थे, जिनमें से कई ने स्वीकार किया कि कोई वास्तविक काम नहीं हो रहा था और वे अक्सर कंपनी की वास्तविक गतिविधियों से अनजान थे। फर्मों ने देशव्यापी ग्राहक आधार होने का दावा किया था, लेकिन ईडी को ऐसे सबूत मिले हैं जो बताते हैं कि ऐसे कई ग्राहक काल्पनिक हैं और केवल कागजों पर मौजूद हैं। QFX, YFX, YORKERF, TLC कॉइन और बॉटब्रो के नाम पर करोड़ों रुपये का भुगतान प्राप्त किया जा रहा था, ये सभी एक बड़े पैमाने पर अनियमित जमा और एमएलएम धोखाधड़ी में जांच के दायरे में हैं। तलाशी वाली कंपनियों के निदेशकों ने इन घोटाले से संबंधित नामों और उनके बैंक खातों में प्राप्त क्रेडिट के साथ किसी भी संबंध से इनकार किया है, जिससे बेनामी परिचालन और मनी लॉन्ड्रिंग लेयरिंग गतिविधि के बारे में संदेह और बढ़ गया है।

बरामद साक्ष्यों के आधार पर, ईडी ने इन संस्थाओं से जुड़े कई बैंकों में 116 खाते फ्रीज कर दिए हैं और 16 बैंक खातों से अब तक प्राप्त पुष्टि के अनुसार, 103 करोड़ रुपये से अधिक की पीओसी फ्रीज की गई है। परिसर से कई डिजिटल उपकरण, वित्तीय दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी जब्त किए गए और वर्तमान में पीओसी और घोटाले में शामिल व्यक्तियों का पूरा पता लगाने के लिए फोरेंसिक जांच के अधीन हैं। ईडी ने फरवरी 2025 में भी तलाशी ली थी और क्यूएफएक्स, यॉर्करएफएक्स और बॉटब्रो वगैरह से जुड़े कई बैंक खातों को फ्रीज कर दिया था जिससे 187 करोड़ रुपये की पीओसी सुरक्षित हो गई थी। मुख्य मास्टरमाइंड नवाब उर्फ लविश चौधरी, राजेंद्र सूद, विनीत कुमार और संतोष कुमार हजारों निर्दोष निवेशकों को ठगने के बाद दुबई फरार हो गए।

चल रही जांच से ऐसी और भी शेल कंपनियों, बेनामी संपत्तियों और जटिल लेयरिंग नेटवर्क का पर्दाफाश होने की संभावना है, जिनका इस्तेमाल निर्दोष निवेशकों से ठगे गए धन की उत्पत्ति को छिपाने के लिए किया जाता है। इसके अलावा, **QFX** घोटाले से **POC** के धन शोधन की योजना बनाने और उसे सुविधाजनक बनाने में शामिल अतिरिक्त व्यक्तियों, मास्टरमाइंड, ऑपरेटरों, लाभार्थियों और फ्रंट एंड फैसिलिटेटर्स का भी पता चलने की संभावना है।